(1)

BA-II (H)
मैथिली
पेपर - चतुर्थ पत्र
Third Lecture

डॉ० संजीत कुमार राम
अतिथि शिक्षक
मैथिली विभाग
V.S.J. College, Rajnagar

मैथिली भाषा शास्त्र

## मैथिली ओ असमियाक संग संबंध

उच्चारण-रीतिक दृष्टिसँ असमिया ओ मैथिली मध्य मुख्य विभेदकेँ लक्ष्य करल जाए सकैत अछि। मैथिली बँगलाक उच्चारण-भंगिमासँ निकट, परन्तु शब्द-रचनाक दृष्टिसँ असमियासँ एकर अद्भुत समानता अछि, यथा दिलाक (मै. देलक), करि राख (मै. कए राख), उहि (मै. उहि) शब्दक प्रयोग भए रहल छी। एहिना अनेक शब्द जे मैथिलीक प्रसिद्ध शब्द थिक, से ओही अर्थमे असमियाक शब्द सेहो थिक यथा भाओ, बनिज, पोजर, झुजली

'कुसिआर, लग, पिच्छल (पिच्छर), संप, कुचियाक (मै. कुचियार) आदि शब्दक प्रयोग होइत अछि।

वस्तुत: ई भाषाक सामानता पौराणिक कालहिसँ मिथिला ओ आसाम मध्य स्थित धार्मिक राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सम्पर्कक कारणे अछि। कतेक विद्वानक मत अछि जे असमियाभाषाक विकास मिथिलाभाषाक प्रेरणासँ भेल। शंकर देव एवं अन्य वैष्णव-कविलोकनि अपन धर्मक साहित्यिक अभिव्यक्ति मिथिलाभाषामे सरह करल अछि।

Samyt

21/04/20